अक्षरित—हिंदी वर्ड गेम्ज़ जी.सी.
(एशिआज़ लार्जेस्ट वर्ड गेम्ज़*)

निर्देश

1. अक्षरित में कुल छह भाग हैं। हर भाग की अंक योजना उस भाग के निर्देशों के बाद दी हुई है।
2. कोई भी भाग दूसरे पर निर्भर नहीं करता—आप किसी भी क्रम में उन्हें हल कर सकते हैं।
3. कुछ भाग शायद आपको दूसरों की तुलना में आसान लगें। शुरु करने से पहले एक बार सारे भाग देख लेना बेहतर होगा।
4. सभी भागों में किसी शब्द के अक्षरों की गिनती हिन्दी वर्ग पहेलिओं के जैसे ही, इस प्रकार होगी—
   - सभी मात्राएँ उस व्यञ्जन के साथ ही गिनी जाएंगी जिसके साथ वो जुड़ीं हैं।
   - सन्युक्त व्यञ्जनों (2 या ज्यादा) के पूरे समूह को, उनकी मात्राओं के साथ एक ही गिना जाएगा।
   - स्वरों को अलग अक्षर की तरह गिना जाएगा।

   उदाहरण : लाचार (3), संक्षेप (3), माँ (1), आदर (3), आकृति (3), प्रत्यक्ष (3)

अंक तालिका

स्वर-कटे मुहावरे		बिछड़े भाई	
गुप्त पहेलियाँ		शब्द-वर्ग	
करण-अर्जुन		शब्द-श्रृंखला	

कुल अंक: ________

रचयिता: अंतरिक्ष बोथले, विश्व मुख्त्यार

1 स्वर-कटे मुहावरे

महंगाई की मार आखिर किसे नहीं पड़ती! ‘कॉस्ट कटिंग’ के चलते हमें ‘लिट सेकि’ से काग़ज़-स्याही वग़ैरह के पैसे बचाने का हुकुम मिला है। कम से कम में ज्यादा से ज्यादा लिख सकने के लिए हमने नीचे कुछ प्रसिद्ध मुहावरों और लोकोक्तियों में से मात्राएं और स्वर हटा दिए हैं और सभी शब्दों को जोड़ दिया है। संयुक्त व्यञ्जन पूरे लिखे गए हैं और चन्द्र-बिन्दु हटा दिए हैं। आपको लोकोक्तियाँ पहचान के लिखनी हैं।

उदाहरण: चरकदढ़मतनक: चोर की दाढ़ी में तिनका
अंक योजना: हर सही उत्तर के लिए 2 अंक, 5+ के लिए 5 अंक बोनस, 9+ के लिए 5 और अंक बोनस

1. पनमहमयमठठबनन अपने मुंह मियाँ मिठ्ठू बनना
2. सरमणडतहलपड़ सिर मुंडाते ही ओले पड़े
3. जबखलमसरदयहतमसलसकयडरन जब ओखली में सिर दिया है तो मूसल से क्या डरना
4. जसकलठसकभस जिसकी लाठी उसकी भैंस
5. दरकढलसहवन दूर के ढोल सुहावने
6. चदकनफकपकवन ऊँची दुकान फीका पकवान
7. नकरपछपछ नेकी और पूछ पूछ
8. गरगड़रचलशककर गुरु गुड़ और चेला शक्कर
9. कहरजभजकहगङगतल कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली
10. मननमनमतरमहमन मान न मान मैं तेरा मेहमान

2 गुप्त पहेलियाँ

इस पहेली में आप ख़ुद को ए.सी.पी. प्रद्युमन और इंस्पेक्टर अभिजीत की जगह पर पाएंगे। सवाल पूछने पर तो कई लोग जवाब दे देते हैं, पर इस पहेली में आप पहले सवाल ढूंढेंगे, और फिर हर कोई मौजूद सुराग़ देख कर पहेली की गुत्थी सुलझाएंगे।
हर पहेली का जवाब एक शब्द है। पहेली के दो हिस्से होंगे, पर दोनों एक ही वाक्य में छिपे होंगे। एक हिस्सा शब्द की परिभाषा या मतलब होगा। दूसरा हिस्सा गुप्त सुराग़ होगा जिसकी मदद से आप उत्तर तक पहुंचेंगे। परिभाषा पहेली के बाएँ या दाएँ कोने में होगी, और पहेली का बाकी बचा हिस्सा होगा सुराग़। कुछ पहेलिओं में इन दोनों हिस्सों के बीच कुछ योजक शब्द भी हो सकते हैं जो पहेली को सहज रूप देने के काम आते हैं।
सुराग़ को आप पहेली हल करने का फ़ॉर्मुला समझ सकते हैं, जो अलग अलग प्रकार का हो सकता है। उत्तर के अक्षरों की संख्या आपको बताई जाएगी (अक्षर कैसे गिनने हैं, ये जानने के लिए पहले पन्ने के निर्देश पढ़िए)।

उदाहरण

टाटा की अन्मोल चीज़ (3) → रतन

- *परिभाषा*: टाटा
- *योजक* : की
- *सुराग़* : अन्मोल चीज़

ये एक तरह की द्वंद्व पहेली है—इसमें **टाटा** और **अन्मोल चीज़** , इनमें से एक परिभाषा माना जा सकता है, और दूसरा भाग सुराग़।

मदन, न जा! देख उत्साह (2) → मद

- *परिभाषा*: उत्साह
- *योजक* : देख
- *सुराग़* : मदन, न जा

इस सुराग़ में शब्द तक पहुंचने का फ़ॉर्मुला दिया गया है। **मदन, न जा**, अर्थात, **मदन** से **न** को हटाइए, जिससे उत्तर मिलेगा **मद**।

रेल का बदलना कड़वा है (3) → करेला

- *परिभाषा*: कड़वा है
- *योजक* : —
- *सुराग़* : रेल का बदलना

इस सुराग़ में एक और तरह का फ़ॉर्मुला है। **बदलना** शब्द अंकित करता है कि आपको सुराग़ के किसी हिस्से के अक्षरों का क्रम बदलना है (मात्राओं को भी अलग से हिला सकते हैं)। इस उदाहरण में **र** , **ए**, **ल** , **क** और **आ** को बदल कर, **करेला** बनाया गया है। गौरतलब है कि **बदलना** के अलावा भी कई शब्द, जो किसी भी तरह का हिलना, संदेह, तोड़-फ़ोड़ आदि सूचित करते हैं, उनका प्रयोग इस तरह के फ़ॉर्मुले में किया जा सकता है, जैसे कि—नाचना, मिलाना, हिलाना, भ्रमित करना इत्यादि।

पहले थे राष्ट्रपति, आने वाले समय में साधारण (3) → कलाम

- *परिभाषा*: पहले थे राष्ट्रपति
- *योजक* : —
- *सुराग़* : आने वाले समय में साधारण

इस तरह की पहेली में सुराग़ के दो या ज़्यादा हिस्से होते हैं, जिनके क्रमशः अर्थ साथ लिखने पर आपको उत्तर मिलेगा। इस उदाहरण में **आने वाले समय में** का अर्थ है **कल** और **साधारण** का अर्थ है **आम** , जिन्हें साथ रखने पर आपको मिलेगा **कलाम** , जिसका वर्णन पहेली के बाएँ हिस्से में है।

अंक योजना: सही जवाब के लिए 2 अंक, 5+ के लिए 5 बोनस, 9+ के लिये 5 और बोनस

1. स्मृति से मिलो, दया, वापस जा कर (2) याद
   - **परिभाषा**: स्मृति
   - **योजक** : से मिलो
   - **सुराग़** : दया, वापस जा कर (दया को उल्टा पढ़ो)
2. पुलिस को माल चाहिए तो ये करे, बरामदे से जाए (4) बरामद
   - **परिभाषा**: पुलिस को माल चाहिए तो ये करे
   - **योजक** : —
   - **सुराग़** : बरामदे से जाए (बरामदे से जा-ए, बरामदे से ए को हटाइए)
3. दो लोगों का मिलन—ऐसी दशा बना डाली! (2) शादी
   - **परिभाषा**: दो लोगों का मिलन
   - **योजक** : ऐसी
   - **सुराग़** : दशा बना डाली! (दशा बना + डाल-ई = शाद + ई = शादी)
4. मस्तानी शाम और आखरी पल, जो ज़िन्दगी को रोशन करे (3) मशाल

- **परिभाषा**: जो ज़िन्दगी को रोशन करे
- **योजक** : —
- **सुराग़** : मस्तानी शाम और आख़री पल (मस्तानी शाम + आख़री पल = मशा + ल = मशाल)

5. रात के बाद नशे का पहला चिन्ह (3) निशान

- **परिभाषा**: चिन्ह
- **योजक** : —
- **सुराग़** : रात के बाद नशे का पहला (रात = निशा, नशे का पहला = न: निशान)

6. धन का अभिप्राय (2) अर्थ

- **परिभाषा**: धन ।अभिप्राय
- **योजक** : का
- **सुराग़** : अभिप्राय ।धन (द्वन्द्व पहेली)

7. करजत में पाई जाने वाली धातु (3) रजत

- **परिभाषा**: धातु
- **योजक** : —
- **सुराग़** : करजत में पाई जाने वाली (क(रजत))

8. ज़्यादा नहीं, काम से निकाला (2) कम

- **परिभाषा**: ज़्यादा नहीं
- **योजक** : —
- **सुराग़** : काम से निकाला (काम से निकाल-आ)

9. दो लबों में छिपी ताकत (2) बल

- **परिभाषा**: ताकत
- **योजक** : —
- **सुराग़** : दो लबों में छिपी (ल(बल)ब)

10. सुन्दर कहा जा सकता है शायद रावण और ब्रह्मा को (5) ख़ूबसूरत

- **परिभाषा**: सुन्दर
- **योजक** : —

- **सुराग़** : कहा जा सकता है शायद रावण और ब्रह्मा को (रावण और ब्रह्मा खूब-सूरत हैं, कई-चेहरे; एक तरह का बहुव्रीहि समास)

11. जैसे कि भाजपा और कॉन्ग्रेस, कीचड़ हैं (4) दलदल

- **परिभाषा**: कीचड़
- **योजक** : हैं
- **सुराग़** : जैसे कि भाजपा और कॉन्ग्रेस (भाजपा और कॉन्ग्रेस दोनों दल हैं)

12. वज़न करके तल डालो (2) तोल

- **परिभाषा**: वज़न कर
- **योजक** : के
- **सुराग़** : तल डालो (तल डाल-ओ = तल + ओ = तोल)

3 करण - अर्जुन

करण और अर्जुन हमारे देश के सुरक्षा बल के सबसे प्रशिक्षित अभिजात वर्ग के जासूस हैं जिन्होंने पिछले कई मिशनों में अपना हुनर दिखाया है।
इस मिशन पर दोनों को साथ में काम करना है—दुश्मन के इलाक़े में जा कर कुछ महीने बिताने हैं और ख़ुफ़िया जानकारी बटोरनी है। ये ख़तरे से खाली नहीं इसलिये दोनों एक नकली नाम और पहचान के तले छिपे रहेंगे। आपका काम है उनकी ये पता करने में मदद करना कि उनका यह नकली आवरण कितना सुरक्षित है। अगर आप उन्हें पहचान पाए तो उन्हें कोई नई पहचान अपनानी पड़ेगी।
इस पहेली में दो शब्दों को जोड़ कर एक बड़ा शब्द बनाया गया है जिसका मतलब दोनों से बिलकुल अलग है। आपको दोनों हिस्सों का मतलब बताया जाएगा, और साथ ही साथ बड़े शब्द का भी मतलब बताया जाएगा। बड़ा शब्द पहचानिए।
याद रखिए—देश की सुरक्षा, और हमारे जासूसों की ज़िंदगी, दोनों आपके हाथों में है!

उदाहरण: गायब हो + पौधे का हिस्सा = कोई जीव जन्तु का उत्तर होगा **छिपकली**।

अंक योजना: हर सही उत्तर के लिए 2.5 अंक, 5+ के लिए 5 अंक बोनस, 9+ के लिए 5 और अंक

1. विचार + होंठ = आशय (मतलब)
2. ध्यान दे + सब्ज = चमकीला (सुनहरा)
3. कमाई + काया = फैलाव (आयतन)
4. कोई रंग + भारत के कुछ राज्यों में आदर सूचक शब्द = इच्छा (लालसा)
5. पत्थर + धागे से जुड़ा हुआ = श्रेणी (सिलसिला)
6. पेय पदार्थ + समाधान = शोर या उपद्रव (कोलाहल)
7. तृण + सो = कोई ईंधन (घासलेट)
8. किसी चीज से बढ़कर + गरिमा = त्रस्त (परेशान)
9. हाथ + उस समय = कौशलपूर्ण कार्य (करतब)
10. परिवारजन के लिए स्नेह-सूचक शब्द + ग्रहण की = आम (मामूली)

4 बिछड़े भाई

हिंदी-उर्दू में बहुत से शब्द अरबी या फ़ारसी भाषा से आए हुए हैं। इनमें कई 'बिछड़े भाई' हैं जिनका मूल अरबी धातु-रूप एक है पर जो अब थोड़े अलग नज़र आते हैं। आपका काम है ऐसे भाइयों को ढूंढ़ना और उन्हें मिलाना। इस नेक काम में आपकी मदद के लिए आपको नीचे दस वाक्य दिए गए हैं। हर वाक्य आपको दो भाइओं को मिलाने में मदद करेगा। वाक्य के दो खाली स्थानों में एक-एक बिछड़ा भाई भरिए जिससे वाक्य का अर्थ सही बैठे।

हिंट: अरबी धातु-रूप साधारणतः तीन व्यञ्जनों से बने होते हैं। 'बिछड़े भाइयों' में आप अक्सर वह व्यञ्जन समूह साथ में पाएंगे।

> **उदाहरण:** फ़ैज़ की एक मशहूर कविता है, जिसकी पहली दो पंक्तियाँ हैं—
>
> मुझसे पहली सी मुहब्बत मेरे महबूब न मांग
> मैने समझा था कि तू है तो दरख़्शाँ है हयात
>
> इसमें **मुहब्बत** और **महबूब** दोनों अरबी धातु-रूप ह-ब-ब से आए हैं।
>
> ---
>
> **अंक योजना**: सिर्फ़ एक शब्द सही लिखने के लिए 1 अंक, दोनों सही लिखने के लिए 3 अंक। 5 या ज़्यादा पूरे सही तो 5 बोनस अंक, 9+: 5 और बोनस अंक।

1. वो तो मेरे पिताजी का तबादला हो गया, वरना मैं उस कमीने से ज़रूर बदला लेता।
2. मुझे पहले शराब की बहुत बुरी आदत थी। अब जब मन करता है एक गिलास शरबत ले लेता हूँ।
3. चिन्ता मत करो। अपना हौसला क़ायम रखो। तुम अपने मुक़ाम तक ज़रूर पहुंचोगे।
4. अपने आप को बड़ा तीसमारखाँ समझता है वो। कोई ऐसा तरीक़ा इजाद करो कि उसका वजूद ही मिट जाए।
5. अरे, गुलाल, पिचकारी वग़ैरह के बग़ैर होली खेलने का मज़ा ही क्या है?
6. मेहनत किए बिना इम्तहान में कैसे अव्वल आओगे?
7. आखिरकार उन्होंने क़बूल कर लिया कि मैं अपने पैरों पर खड़े रहने के क़ाबिल हूँ।
8. क्या तुम्हें मालूम है कि उस्ताद ज़ाकिर हुसैन ने मौसिकी की तालीम कहाँ से हासिल की है?
9. अक्सर मेरे मन में ये ख़याल आता है कि अगर बचपन से कसरत की होती तो बुढ़ापे में शायद अस्पताल के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।
10. चिन्ता मत करो, जब तक वो उस हीरे की हिफ़ाज़त कर रहा है, हीरा महफ़ूज़ रहेगा।

5 शब्द-वर्ग

निकले तो थे आप अपने छोटे भाई के साथ वर्ग पहेलियाँ बनाने, पर उस आलसी का कभी किसी काम में ध्यान लगा है? जो आप काग़ज़ पर लिखते हैं, बिना दिमाग़ लगाए उसी को दुबारा लिख रहा है। आपने सोचा—उससे उलझने के बजाय क्यों न इसी का फ़ायदा उठाया जाए? और बन गया एक अलग क़िस्म का शब्द-वर्ग। इस पहेली में आपको अलग-अलग शब्द-वर्ग बनाने हैं, जिन सभी में आप वही शब्द बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे पढ़ पाएंगे। अर्थात, पहली रो और पहला कॉलम एक होंगे, दूसरी रो और दूसरा कॉलम एक होंगे इत्यादि।

उदाहरण

श	ह	द
ह	म	ला
द	ला	ल

अंक योजना: साइज़ 3 के वर्ग के लिए 5 अंक और साइज़ 4 के वर्ग के लिए 15 अंक

1. सिर्फ़ **ल**, **म**, **ग**, **स** और **आ** की मात्रा का प्रयोग कर के एक शब्द-वर्ग बनाइए।

ग	म	ला
म	ला	ल
ला	ल	सा

2. इस वर्ग में बीच में **क़ी** रख कर भरिए

बे	व	फ़ा
व	क़ी	ल
फ़ा	ल	तू

3. इसी प्रकार का एक और वर्ग

श	ह	द
ह	म	ला
द	ला	ल

4. और अब **ज़** के साथ। ध्यान रखिए, **ज** नहीं

त	ना	व
ना	रा	ज़
व	ज़	न

5. कोई भी एक साइज़ 4 का वर्ग बनाइए।

.	.	.	.
.	.	.	.
.	.	.	.
.	.	.	.

6 शब्द - श्रृंखला

होली का त्योहार है, और मनुष्यों की तरह शब्द भी आज के दिन आपसी बैर भुला देना चाहते हैं। अब एकदम से तो यूं किसी के पास जाने में संकोच होगा, तो इस काम में वे मदद लेना चाहते हैं अपने आस पड़ोस के दोस्तों की। वे उम्मीद करते हैं कि वे किसी को जानते होंगे जो किसी को जानता होगा जो किसी को...जो उनके शत्रु से उन्हें मिला पाए। आपको इस काम में उनकी मदद करनी है और हर शब्द को उसके विपरीतार्थक शब्द से मिलाना है। हर कदम पर आप शब्द में कोई एक अक्षर बदल सकते हैं, या कोई एक अक्षर डाल सकते हैं या फिर कोई एक अक्षर निकाल सकते हैं। हर कदम पर कोई वाजिब शब्द बनना चाहिए। एक से ज़्यादा उत्तर भी संभव हैं। मात्रा, संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, चन्द्र-बिंदु आदि अक्षर के साथ ही गिने जाएंगे।
'6 डिग्रीज़ ऑफ़ सेपरेशन' के सिद्धान्त की तरह यहाँ भी सभी शब्द अपने शत्रुओं से 6 या उससे कम कदम ही दूर हैं।

उदाहरण: रात → दिन। रात → बात → बाल → थल → थन → दिन [5 कदम]
अंक योजना: पूरी श्रृंखला सही होने पर 2.5 अंक, 5+ के लिए 5 बोनस

1. अपना → पराया

   अपना → सपना → सजना → सटाना → पटाना → पटाया → पराया

2. सच → झूठ

   सच → सल → झूल → झूठ

3. ठोस → तरल

   ठोस → ठोक → तक → तल → तरल

4. बंधन → मुक्ति

   बंधन → धन → नान → नाग → युग → युक्ति → मुक्ति

5. मूक → वाचाल

   मूक → मूल → चाल → वाचाल

6. अमृत → विष

   अमृत → मृत → गत → गर → शेर → शेश → विश

7. मोक्ष → बंधन

   मोक्ष → मोर → मर → मन → धन → बंधन

8. गुप्त → प्रकट

   गुप्त → गुम → कम → कट → प्रकट